PANDIT RAVISHANKAR TRIPATHI GOVERNMENT COLLEGE BHAIYATHAN, DIST. SURAJPUR CG

(Affiliated to Sant Gahira Guru Vishwavidyalaya Sarguja Abmikapur)

SYLLABUS

B.A. PART THREE

Revised syllabus
SOCIOLOGY 2018-2019
B.A PART-III
PAPER – I
FOUNDATIONS OF SOCIOLOGICAL THOUGHT
(Paper Code-0246)

UNIT-I **August Comte** : The Law of Three Stages , Positivism, Hierarchy of Science.

Durkheim: Social Solidarity and Suicide.

UNIT-II **Karl Marx** : Dialectic Materialism , Class Struggle and Surplus value.

Max Weber : Bureaucracy, Authority and the Protestant Ethic and the spirit of Capitalism.

UNIT–III **Pareto** : Circulation of Elis and Logical and Nonlogical action

Spencer : Social Darwinism, super organic evolutions.

UNIT–IV **Thorstein Veblen**: The Theory of Leisure Class, Theory of Social Change.

R. K. Merton: Functionalism and Reference Group.

UNIT-V **Development of Sociological thought in India** : -

Mahatma Ghandhi: Ahimsa, Satya Graha and Trusteeship.

Radha kamal Mukherjee : The Concept of Value.

ESSENTIAL READINGS –

1 Barres,H.E. : Introduction to the sociology, Chicago the university of Chicago press 1959.
2 Coser,Lewis a.,: Master of sociological thought, New York Harcourt Brace Jovanovich 1979.
3 Singh. Yogendra- Indian sociology:social conditioning and emerging frends. New Delhi vistaar 1986.
4 Zeidin,Irving:(Indian edition) Rethinking sociology: A critique of contemporary theory , Jorpur Rawl 1999.

11.06.18

11/6/2018
Head.
S.O.S. in Sociology & Social Work,
Pt. Ravishankar Shukla University,
Raipur. (C.G.)

Pandit Ravishankar Tripathi Govt. College Bhaiyathan Dist. Surajpur (C.G.) AISHE C-9723

PRINCIPAL
Pandit Ravishankar Tripathi Govt.College
Bhaiyathan ,Dist.Surajpur (C.G.)

Revised syllabus

SOCIOLOGY 2018-2019

B.A PART-III

PAPER-II

METHODS OF SOCIAL RESEARCH

(Paper Code-0247)

UNIT-I **Social Research** : Meaning, Characteristics and Significance.

Scientific methods , Hypothesis.

UNIT-II **Qualitative Research** . Ethnography, Observation, Case Study, Content analysis.

UNIT-III **Reasearch design :** Exploatory , Descriptive, Explanatory, Experimental, and Diagnostic.

UNIT-IV **Tools and Techniques of Social Research:** Social Survey, Sampling, Questionnaire, Interview - Schedule and Interview - Guide.

UNIT-V **Social Statistics:** Meaning, Importance and Limitations.

Graphs, Diagrams and Measures of Central Tendency- Mean, Mode, Median, Co-relation, Use of Computer in Social Research.

ESSENTIAL READINGS –

1. Young, P.V. (1977) *Scientific Social Surveys and Research*. Prentice Hall of India. New Delhi.
2. Bruce, C., & Margaret, M. (1993). *Approaches to Social Research*. New York: Oxford University Press.
3. Cohen, M., & Nagel, E. (1944). *An Introduction to Logic and Scientific Method*. New York: Harcourt, Brace & Company.
4. Faucese, D., & Richer, S. (1973). *Social Research Methods*. Cliffs, Englewood, Cliffs, NJ. Prentice Hall
5. Moser, C.A. (1962) *Survey Methods in Social Research Investigation*. London: Heinemann, Prince Hall.
6. Goode, & Hatt. (1952). *Methods in Social Research*. New York: MCgraw Hill Publishers.

Head,
S.O.S. in Sociology & Social Work,
Pt. Ravishankar Shukla University,
Raipur, (C.G.)

Pandit Ravishankar Tripathi Govt. College Bhaiyathan Dist. Surajpur (C.G.) AISHE C-9723

PRINCIPAL
Pandit Ravishankar Tripathi Govt.College
Bhaiyathan ,Dist.Surajpur (C.G.)

संशोधित पाठ्यक्रम
बी. ए. भाग– 3
हिन्दी साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र
जनपदीय भाषा– साहित्य (छत्तीसगढ़ी)
(पेपर कोड– 0233)

प्रस्तावना–

हिन्दी केवल खड़ी बोली नहीं है, बल्कि एक बहुत बड़ा भाषिक समूह है। हिन्दी जगत में अनेक विभाषाएं, बोलियाँ और उपबोलियाँ विद्यमान हैं जिनमें सकल साहित्य सम्पदा है। इनके सम्यक अध्ययन और अन्वेषण की आवश्यकता है। जनपदीय भाषा छत्तीसगढ़ी निरन्तर विकास की ओर अग्रसर हो रही है अस्तु, इस भाषा का और इसमें रचित साहित्य का इतिहास– विकास स्पष्ट करते हुए इनसे संबंधित प्रमुख रचनाकारों का आलोचनात्मक अनुशीलन करना हिन्दी के वृहत्तर हित में होगा। छत्तीसगढ़ी भाषा का पाठ्यक्रम निम्न बिन्दुओं पर आधारित हैं–

(क) छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास– विकास
(ख) छत्तीसगढ़ी भाषा में रचित साहित्य का इतिहास
(ग) छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रमुख प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकारों की कृतियों का अध्ययन।

पाठ्य विषय–

रचनाएँ–

(1) प्राचीन कवि संत धर्मदास के 3 पद
  1. गुरू पइंया लागों नाम लखा दीजो हो।
  2. नैना आगे ख्याल घनेरा।
  3. भजन करौ भाई रे, अइसन तन पाय के।
  (सन्दर्भ– धर्मदास के शब्दावली से उद्घृत)
(2) लखनलाल गुप्त का गद्य–
  1. सोनपान
  (गद्य– पुस्तक' सोनपान' के उद्घृत)
(3) अर्वाचीन रचनाकार
  डॉ. सत्यभामा आडिल रचित गद्य
  1. सीख सीख के गोठ
  (गद्य पुस्तक 'गोठ' के उद्घृत)
(4) डॉ. विनय पाठक की कविताएँ–
  1. तँय उठथस सुरूज उथे
  2. एक किसिम के नियाव
  ('अकादसी और अनचिन्हार' पुस्तक से उद्घृत)

AISHE C-9723
Pandit Ravishankar Tripathi Govt. College Bhaiyathan (C.G.) Dist. Surajpur

PRINCIPAL
Pandit Ravishankar Tripathi Govt.College
Bhaiyathan ,Dist.Surajpur (C.G.)

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छत्तीसगढ़)

पाठ्यक्रम

बी. ए.–3 (कोड– 103) B. A.-3 (Code-103)
बी. ए. क्लासिक्स–3 (कोड– 053) B. A. CLASSICS-3 (Code-053)

परीक्षा : 2018– 19

कुलसचिव पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छत्तीसगढ़) की ओर से

Pandit Ravishankar Tripathi Govt. College Bhaiyathan Dist. Surajpur (C.G.)
AISHE
C-9723

PRINCIPAL
Pandit Ravishankar Tripathi Govt.College
Bhaiyathan ,Dist.Surajpur (C.G.)

संशोधित पाठ्यक्रम

बी.ए. भाग– 3

द्वितीय प्रश्न पत्र

हिन्दी भाषा– साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन

(पेपर कोड– 0234)

प्रस्तावना–

हिन्दी भाषा का इतिहास जितना प्राचीन है, उतना ही गुढ़– गहन भी। इसमें रचित साहित्य ने लगभग डेढ़ हजार वर्षो का इतिहास पूरा कर लिया है इसलिए हिन्दी भाषा और साहित्य के ऐतिहासिक विवेचन की बड़ी आवश्यकता है। इसी के साथ– साथ हिन्दी ने अपना जो स्वतंत्र साहित्य शास्त्र निर्मित किया हैं, उसे भी रूपायित करने की आवश्यकता है। इसके संज्ञान द्वारा विद्यार्थी की मर्मग्राहिणी प्रतिभा का विकास होगा और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शुद्ध साहित्यिक विवेक का सन्निवेश होगा।

पाठ्य विषय–

(क) हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास– हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकर भाषाएँ तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास। हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप–

1. बोलचाल की भाषा
2. रचनात्मक भाषा
3. राष्ट्रभाषा
4. राजभाषा
5. सम्पर्क भाषा
6. संचार भाषा

हिन्दी का शब्द भण्डार– तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली।

(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास :– आदिकाल, पूर्व मध्यकाल, उत्तर मध्यकाल और आधुनिक काल की सामाजिक , सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग प्रवृत्तियॉं, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियॉं, साहित्यिक विशेषताएँ।

(ग) काव्यांग – काव्य का स्वरूप एवं प्रयोजन।
रस के विभिन्न भेद, विभिन्न अंग, विभावादि तथा उदाहरण।

प्रमुख 5 छंद – दोहा, सोरठा, चौपाई, कुण्डलियाँ, सवैया।

शब्दालंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, पुररूक्ति प्रकाश।

अर्थालंकार – उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान।

संदर्भ ग्रन्थ–

(1) हिन्दी साहित्य का इतिहास संपादक– डॉ. सुशील त्रिवेदी व बाबूलाल शुक्ल (प्रकाशक– म. प्र. उ. शि. अनुदान आयोग)

(2) राजभाषा हिन्दी– मलिक मोहम्मद (प्रभात प्रकाशन दिल्ली)

AISHE C-9723

PRINCIPAL
Pandit Ravishankar Tripathi Govt. College
Bhaiyathan, Dist. Surajpur (C.G.)

(5) मुकुन्द कौशल– छत्तीसगढ़ी गजल
''छै बित्ता के मनखे देखों........ से– मछरी मन लाख लेथे'' तक
(पुस्तक' छत्तीसगढ़ी गजल' के पृष्ठ 17 से उद्घृत)

द्रुतपाठ के रचनाकार– (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)

1. सुन्दर लाल शर्मा
2. कपिलनाथ कश्यप
3. रामचन्द्र देशमुख (रंगकर्मी)

अंक विभाजन– व्याख्याएं (3) – 21 अंक
आलोचनात्मक प्रश्न (2) – 24 अंक
लघुउत्तरीय प्रश्न (5) – 15 अंक
वस्तुनिष्ठ (15) – 15 अंक
कुल अंक 75

इकाई विभाजन

इकाई एक	–	व्याख्या
इकाई दो	–	प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकार
इकाई तीन	–	(अ) छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास
		(ब) छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास
इकाई चार	–	द्रुत पाठ के तीन रचनाकार
इकाई पाँच	–	वस्तुनिष्ठ/ (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

PRINCIPAL
Pandit Ravishankar Tripathi Govt.College
Bhaiyathan ,Dist Surajpur (C.G.)

Pandit Ravishankar Tripathi Govt College Bhaiyathan Dist Surajpur (C.G.) AISHE C-9723

(5) मुकुन्द कौशल– छत्तीसगढ़ी गजल
"छै बित्ता के मनखे देखों..... से– मछरी मन लाख लेथे" तक
(पुस्तक' छत्तीसगढ़ी गजल' के पृष्ठ 17 से उद्धृत)

द्रुतपाठ के रचनाकार– (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)

1. सुन्दर लाल शर्मा
2. कपिलनाथ कश्यप
3. रामचन्द्र देशमुख (रंगकर्मी)

अंक विभाजन– व्याख्याएं (3)	– 21 अंक
आलोचनात्मक प्रश्न (2)	– 24 अंक
लघुउत्तरीय प्रश्न (5)	– 15 अंक
वस्तुनिष्ठ (15)	– 15 अंक
कुल अंक	75

इकाई विभाजन

इकाई एक	–	व्याख्या
इकाई दो	–	प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकार
इकाई तीन	–	(अ) छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास
		(ब) छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास
इकाई चार	–	द्रुत पाठ के तीन रचनाकार
इकाई पाँच	–	वस्तुनिष्ठ / (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

बी. ए. भाग 3 B.A. Part III

राजनीति विज्ञान Political Science

प्रथम प्रश्नपत्र : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं भारत की विदेश नीति

Paper I : Internatioal Politics and Foreign Policy of India

इकाई 1 : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति : अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र ।

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति : अध्ययन उपागम – यथार्थवाद, आदर्शवाद, नवयथार्थवाद, विश्व व्यवस्था सिद्धान्त । राष्ट्रीय हित एव राष्ट्रीय शक्ति : अर्थ, परिभाषा एवं तत्व ।

Unit 1 : International Politics : meaning, Nature, Scope. International Politics : Approaches to the study : Realism, Idealism, New realism, World System theory. National interest and National power: Meaning Definition and Elements.

इकाई 2 : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के विभिन्न सिद्धान्त : व्यवस्था, खेल, निर्णय निर्माण,सौदेबाजी का सिद्धान्त ।

शक्ति संतुलन । सामूहिक सुरक्षा । निशस्त्रीकरण । शीतयुद्ध । राजनय ।

Unit 2 : Various theories of International Politics : System, Game, Decision making, Barganing theory. Balance of Power, Collective Security, Disarmament, Cold war, Diplomacy.

इकाई 3 : भारत की विदेश नीति : निर्धारक तत्व, विशेषताएं । गुटनिरपेक्षता : अर्थ, विशेषताएं, प्रासंगिकता ।

Unit 3 : Foreign Policy of India : Determinating elements, characteristics. Non-alignment : meaning, features , relevance.

इकाई 4 : भारत का पडोसियों से सम्बंध –चीन,पाकिस्तान,नेपाल,श्रीलंका। भारत का महाशक्तियों से सम्बंध – संयुक्त राज्य अमेरिका, रुस, ब्रिटेन एवं फ्रांस

Unit 4 : Indias' relations with neighboring countries : China , Pakistan, Nepal, Sri lanka, Relations with Super Powers - USA, Russia, Britain and France.

इकाई 5 : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के कुछ प्रमुख मुद्दे :

पर्यावरणवाद । अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद। वैश्वीकरण । मानव अधिकार । परमाणविक निशस्त्रीकरण ।

Unit 5 : Some major issues of International Politics :

Environmentalism, International Terrorism, Globalisation, Human Rights , Nuclear Disarmament.

PRINCIPAL
Pandit Ravishankar Tripathi Govt College
Bhaiyathan ,Dist.Surajpur (C.G.)

Pandit Ravishankar Tripathi Govt College Bhaiyathan Dist Surajpur (C.G.)
AISHE C-9723

बी.ए.अंतिम वर्ष
प्रथम प्रश्न पत्र
अंतर्राष्ट्रीय राजनीति एवं भारत की विदेश नीति

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

क्र	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम
1.	अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सैद्धान्तिक पक्ष	महेन्द्र कुमार
2.	अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त एवं व्यवहार	यू.आर.घई
3.	अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति सिद्धान्त समकालिन एवं मुददे	बी.एल. फाडिया
4.	अन्तर्राष्ट्रीय संबंध	पुष्पेष पन्थ
5.	अन्तर्राष्ट्रीय संबंध	दीनानाथ वर्मा
6.	थीयरी ऑफ इन्टरनेषनल पालिटिक्स	के.वाल्टज
7.	इन्टरनेषनल रिलेषन्स	जे.गोल्ड स्टीन
8.	द इन्टरनेषनल पालिटिक्स	पी.कलवरट
9.	इन्टरनेषनल रिलेषन्स	सी.ब्राउन
10.	समकालीन विष्व एवं भारत	अरूणोदय बाजपेयी

Reference :-

- M.S. Agwani, **Détente: Perspectives and Repercussions,** Vikas, 1975
- John Gray, **False Dawn: The Delusions of Global Capitalism,** Grant Book, U.K. , 1998
- Hans J. Morgenthan, **Politics Among Nations: The Struggle for Power and Peace,** Scientific Book Agency, Calcutta, 1972
- Mahendra Kumar, **Theoretical Aspects of International Politics,** Agra: Shiva Lal Agarwala & Co. Educational Publishers
- K.J. Holsti, **International Politics: A Framework for Analysis,** Prentice Hall of India, New Delhi, 1995.
- Paul Kennedy, **Preparing for the Twenty-First Century,** New York, 1993
- Hutchings, Kimbley, **International Political Theory,** Sage, New Delhi
- John Baylis and Steve Smith, **The Globalization of World Politics**, Oxford University Press, 2008
- Karen Mingst, **Essentials of International Relations**, New York: W.W. Norton & Company, 2007
- Kate Kelly S. Pease, **International Organizations**, New Jersey: Prentice Hall, 2000

Robert Jackson and Georg Sørensen, **Introduction to International Relations: Theories and Approaches,** Oxford University Press, 2003

- Joshua S. Goldstein & Jon C. Pevehouse, **'International Relations'** 5th Edition, Pearson Education, 2002

PRINCIPAL
Pandit Ravishankar Tripathi Govt College
Bhaiyathan ,Dist.Surajpur (C.G.)

बी. ए. भाग 3 B. A. Part III

राजनीति विज्ञान Political Science

द्वितीय प्रश्नपत्र : लोक प्रशासन Paper : II : Public Administration

इकाई 1 लोक प्रशासन : अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र । लोक प्रशासन और निजी प्रशासन । अध्ययन पद्धतियां । नवीन लोक प्रशासन । तुलनात्मक लोक प्रशासन ।

Unit 1 : Public Administration : meaning and definition, nature, scope. Public Administration and Private Administration. Method of Studies. New Public Administration. Comparative Public Administration.

इकाई 2 संगठन के सिद्धान्त : पदसोपान, नियंत्रण का क्षेत्र , आदेश की एकता, प्रत्यायोजन ।

मुख्य कार्यपालिका । सूत्र एवं स्टाफ अभिकरण । विभागीय संगठन , लोक निगम । कार्मिक प्रशासन

: भर्ती, पदोन्नति , प्रशिक्षण ।

Unit 2 : Principles of Organisation : Hierarchy, Span of Control, Unity of Command, Delegation. Chief Executive. Line and Staff Agencies. Departmental Organisation. Public Corporation. Personnel Administration : Recruitment, Promotion, Training.

इकाई 3 विकास प्रशासन : प्रकृति, मुद्दे और विशेषताएं । रिग्स मॉडल । प्रशासन में नागरिक सहभागिता ।

सुशासन और ई शासन । संघ लोक सेवा आयोग ।

Unit 3 : Development Administration : Nature, Issues, Characteristics.Riggs Model.

Public participation in Administration.Good Governance and

e- Governance. Union Public Service Commission.

इकाई 4 वित्तीय प्रशासन : बजट के सिद्धान्त । भारत में बजट प्रक्रिया । भारत में प्रशासनिक सुधार ।

प्रशासन पर कार्यपालिका, विधायी, न्यायिक और जन नियन्त्रण ।

Unit 4 : Financial Administration: Principles of Budget. Budget procedure in India. Administrative reforms in India. Executive, Legislative, Judicial and Public Control on Administration.

इकाई 5 प्रशासन में भ्रष्टाचार : आम्बुड्समैन, लोकपाल और लोक आयुक्त ।

वैश्वीकरण के युग में लोक प्रशासन । उदारीकरण । नौकरशाही । लोक सम्पर्क ।

Corruption in Administration: Ombudsman, Lokpal and Lok Ayukta.

Public Administration in the age of Globalisation. Liberalisation. Bureaucracy.

Public Relation.

AISHE C-9723

PRINCIPAL
Pandit Ravishankar Tripathi Govt. College
Bhaiyathan, Dist. Surajpur (C.G.)

New

बी.ए.अंतिम वर्ष

द्वितीय प्रश्न पत्र

लोक प्रषासन

सन्दर्भ ग्रंथ सूची:–

क्र	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम
1.	लोक प्रषासन	अवस्थी और माहेष्वरी
2.	लोक प्रषासन सिद्धान्त एवं व्यवहार	सूषमा यादव और बलराम गौतम–(सम्पा)
3.	तुलनात्मक लोक प्रषासन	रमेश अरोड़ा
4.	लोक प्रषासन सिद्धान्त एवं व्यवहार	पी.डी. शर्मा और हरीषचन्द्र शर्मा
5.	वित्त प्रषासन	गौतम पदमनाम
6.	लोक प्रषासन के सिद्धान्त	सी.पी. भामरी
7.	लोक प्रषासन	बी.एल. फाडिया
8.	प्रशासनिक सिद्धान्त	अवस्थी और अवस्थी

Reference :-

- Avasthi & S.R. Maheshwari: **Public Administration,** (Agra: L. N. Agrawal, latest Hindi and English editions)
- R. R. Jha: **Lokayukta : The Indian Ombudsman,** Rishi Publications, Varanasi, 1991
- F.A. Nigro and G.I. Nigro, **Modern Public Administration,** New York, Harper Row, 1980
- M. P. Sharma, B. L. Sadana, **'Lok Prashasan : Siddhanth Evam Vyavahar'**,(Allahabad: Kitab Mahal, Latest Hindi and English editions) .
- R. K. Arora & R. Goyal: **Indian Public Administration,** (New Delhi: Vishwa Prakashan, 2008).
- S. Kataria, **'Personnel Administration'**, (RBSA Publishers, Jaipur, 2003).

PRINCIPAL
Pandit Ravishankar Tripathi Govt.College
Bhaiyathan ,Dist.Surajpur (C.G.)

Pandit Ravishankar Tripathi Govt.College Bhaiyathan Dist Surajpur (C.G.)
AISHE
C-9723

बी.ए. / बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र–प्रथम

सुदूर संवेदन एवं भैगोलिक सूचना प्रणाली

(पेपर कोड़ – 0248)

अधिकतम अंक: 50

इकाई –1 : सुदूर संवेदन का अर्थ तथा आधारभूत संकल्पना : परिभाषा, इतिहास, एवं विषय क्षेत्र, विद्युत चुम्बकीय विकिरण : विशेषताएँ, वर्णकमीय (SPECTRAL) प्रदेश एवं बैण्ड; पृथ्वी के धरातल एवं वायुमण्डल के साथ विकिरण अर्जा की अन्योन्यकिया, वर्णकमीय (SPECTRAL)लक्षण ।

इकाई –2 : सुदूर संवेदन के प्रकार : वायु जनित एवं अंतरिक्ष जनित; हवाई छायाचित्र : प्रकार एवं विशेषताएँ; सुदूर संवेदन उपग्रह : प्लेटफार्म एवं संवेदक : सक्रिय एवं निष्क्रय, संवेदक की विशेषताएँ : स्थानिक विभेदन, वर्णक्रमीय (SPECTRAL) विभेदन, रेड़ियोमेट्रिक विभेदन, अल्पकालिक विभेदन, उत्पाद ।

इकाई –3 : चाक्षुष एवं अंकीय बिम्ब प्रक्रियान्वयण तकनीक; संसाधन मानचित्रण एवं पर्यावरण नियंत्रण में सुदूर संवेदन अनुप्रयोग, भारत में सुदूर संवेदन; उद्दभव एवं विकास।

इकाई –4 : भौगोलिक सूचना प्रणाली का परिचय : भूसूचना की परिभाषा, भूसूचना का महत्व एवं विषय क्षेत्र, भौगोलिक सूचना प्रणाली का इतिहास, जी0 आई0 एस0 की संकल्पना, जी0 आई0 एस0 के कार्य – आंकड़ा प्रवेश, संचालन, परिचालन, प्रबंधन, त्रुटि संसूचन, विश्लेषण एवं प्रदर्शन, धरातलपत्रक, सर्वेक्षण, हवाई बिम्ब, उपग्रह आंकड़े एवं बिम्ब, आकड़ो के प्रकार धरातलीय एवं अधरातलीय या लाक्षाणिक ।

इकाई–5 : आंकड़ा मॉडल एवं आंकड़ा विश्लेषण : रॉस्टर आंकड़ा एवं उसकी विशेषताएँ, वेक्टर आंकड़ा एवं उसकी विशेषताएँ, रास्टार आंकड़ा विश्लेषण : ग्रिड सेल अथवा पिक्सल, विक्टर आंकड़ा विश्लेषण धरातलीय आकड़ा, विक्टर प्रारुप की रचना धरातलीय एवं अधरातलीय आंकड़ा प्रबंधन, धरातलीय सूचना तकनीक ।

Books Recommended:

1. Bhatta, B. (2010): Remote Sensing and GIS, Oxford University Press, New Delhi.
2. Campbell, J.B. (2002): Introduction to Remote Sensing. 5th edition, Taylor and Francis, London
3. Curran, P.J. (1985): Principles of Remote Sensing, Longman, London
4. Kang-tsung Chang (2003) Geographic Information Systems, Tata McGraw Hill, New Delhi
5. Lillesand, T.M. and Kiefer, R.W. (2000): Remote Sensing and Image Interpretation. 4th edition. John Wiley and Sons, New York
6. Lo Albert, C.P., and Young, K.W (2003) Concepts and Techniques of Geographical Information Systems, Prentice Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi.
7. Nag Prithvish and Kudrat M. (1998): Digital Remote Sensing, Concept Publishing Company, New Delhi
8. Star J, and J. Estes, (1994), Geographic Information Systems: An Introduction, Prentice Hall, New Jersy.
9. Williams J. (1995): Geographic information from space, John Wiley and Sons, England,
10. चौनियाल, देवी दत्त (2004), सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद–2.

AISHE C-8728
Pandit Ravishankar Tripathi Govt. College Bhaiyathan Dist Surajpur (C.G.)

PRINCIPAL
Pandit Ravishankar Tripathi Govt. College
Bhaiyathan ,Dist Surajpur (C.G.)

बी.ए. / बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र–द्वितीय
छत्तीसगढ़ का भूगोल
(पेपर कोड़ – 0249)

अधिकतम अंक : 50

इकाई –1. भौतिक स्वरूप भौमिकीय संरचना उच्चावच, भूआकृतिक प्रदेश, अपवाह, जलवायु ।

इकाई –2. प्राकृतिक संसाधन–मिट्टी, प्रकार, विशेषताएँ, वितरण, जलसंसाधनः प्रमुख सिंचाई और बहुउद्देशीय परियोजनाएं, वन : प्रकार, वितरण, वनों का संरक्षण, खनिज संसाधन – लौह अयस्क, कोयला डोलोमाइट, चुना पत्थर और बाक्साइट छत्तीसगढ़ में शक्ति के संसाधन।

इकाई –3. कृषि– प्रमुख खाद्यान्न फसलें, दलहन एवं अन्य फसलें, जनसंख्या– वृद्धि, वितरण और घनत्व, जनजातिय जनसंख्या । ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या ।

इकाई –4. उद्योग, लौह इस्पात उद्योग, सिमेंट चीनी, एल्युमिनीयम, छत्तीसगढ़ के औद्योगिक प्रदेश ।

इकाई –5. व्यापार, परिवहन, पर्यटन, छत्तीगढ़ का सामाजिक आर्थिक विकास ।

Books Recommended:

1. Jha, Vibhash Kumar and Saumya Naiyyar (2013) Chhattisgarh Samagra, Chhattisgarh Rajya Hindi Granth Akadmi, Raipur
2. Kumar, Pramila (2003): Chhattisgarh Ek Bhugolik Addhyayan. Madhya Pradesh Hindi Granth Akadmi, Bhopal
3. Nagesh Jitendra and at all (2014): Chhattisgarh Sandarbh 2014 Jansanmpark Vibhag, C.G. Govt., Raipur
4. Tiwari, Vijay Kumar ( ): Geography of Chhattisgarh, Himalya Publishing House, Pvt. Ltd
5. Tripathi, Kaushlendra and Pursottam Chandrakar (2001): Geography of Chhattisgarh, Shardaprakashan, Aazad Nagar , Bilaspur.
6. Verma ,L.N. (2017): Geography of Chhattisgarh, Madhya Pradesh Hindi Granth Akadmi, Bhopal

PRINCIPAL
Pandit Ravishankar Tripathi Govt.College
Bhaiyathan ,Dist.Surajpur (C.G.)

AISHE C-0723

बी.ए./बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र–तृतीय
प्रायोगिक भूगोल

अधिकतम अंक : 50

खण्ड (अ)

मनचित्र पठन एवं निर्वचन 20

इकाई –1. बैन्ड ग्राफ, हीदर ग्राफ, क्लाइमोग्राफ, पवनारेख ।

इकाई –2. भारतीय स्थलाकृतिक मानचित्र की व्याख्या प्रकार, वर्गीकरण धरतलीय मानचित्र के प्रकार एवं विष्लेषण, राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय, भौतिक एवं सांस्कृतिक तत्वों के आधार पर विष्लेषण ।

इकाई –3. उपग्रह बिम्ब : प्रारम्भिक सूचनाओं की व्याख्या बिम्ब निर्वाचन : चाक्षुश विधि – भूमि उपयोग भूमि आच्छादन मानचित्रण, जी0 पी0 एस0 का उपयोग एवं अनुप्रयोग ।

खण्ड (ब)

सर्वेक्षण एवं क्षेत्रीय प्रतिवेदन 20

इकाई –4. सर्वेक्षण , समपटल सर्वेक्षण, प्रतिच्छेदन एवं स्थिति निर्धारण ।

इकाई –5. भूगोल में क्षेत्रीय कार्य का महत्व किसी छोटे क्षेत्र का भौतिक सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण और रिपोर्ट तैयार करना ।

प्रायोगिक पुस्तिका और मौखिक परिक्षण परीक्षा 10

Books Recommended:

1. Archer, J.E. and Dalton, T.H. (1968): *Field Work in Geography*. William Clowes and Sons Ltd. London and Beccles.
2. Bolton, T. and Newbury, P.A. (1968): *Geography through Fieldwork*. Blandford Press, London.
3. Campell, J. B. (2003): Introduction to Remote Sensing. 4th edition. Taylor and Francis, London.
4. Chaunial, D. D. (2004): Remote Sensing and Geographical Information System(in Hindi), Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
5. Cracknell, A. and Ladson, H. (1990): Remote Sensing Year Book. Taylor and Francis, London.
6. Curran, P.J. (1985): Principles of Remote Sensing. Longman, London.
7. Davis, R.E. and Foote, F.S. (1953): Surveying, 4th edition, McGraw Hill Publication, New York
8.
9. Deekshatulu, B.L. and Rajan, Y.S. (ed.) (1984): Remote Sensing. Indian Academy of Science, Bangalore.
10. Floyd, F. and Sabins, Jr. (1986): Remote Sensing: Principles and Interpretation. W.H. Freeman, New York.
11. Gautam, N.C. and Raghavswamy, V. (2004). Land Use/ Land Cover and Management Practices in India. B.S. Publication., Hyderabad.
12. Jensen, J.R. (2004): Remote Sensing of the Environment: An Earth Resource Perspective. Prentice-Hall, Englewood Cliffs, New Jersey. Indian reprint available.
13. Jones, P.A.(1968): Fieldwork in Geography, Longmans, Green and Company Ltd., First Publication, London

AISHE C-9723

PRINCIPAL
Pandit Ravishankar Tripathi Govt.College
Bhaiyathan ,Dist.Surajpur (C.G)